हिंदी दैनिक

रहस्य संदेश

अंक-159 लखनऊ व एटा से प्रकाशित शुक्रवार, 07 जून 2024 R.N.I. No.: UPHIN/2007/20715 पृष्ठ- 4 मूल्य

पेड़ नहीं परिवार हैं जीवन का आधार है - डॉ एन के शर्मा

अनवर अशरफ

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि अभियंता महाविद्यालय एवं वन्यजीव एवम पर्यावरण संरक्षण के लिए समर्पित संस्था (ओशन) ऑर्गनाइजेशन फॉर कंजरवेशन ऑफ इन्वायरनमेंट एंड नेचर के संयुक्त तत्वाधान एवम कुलपति,कृषि विश्विद्यालय, कानपुर डॉ आनन्द कुमार सिंह के कुशल दिशा निर्देशन में कृषि महाविद्यालय के विशाल हरे भरे परिसर में सघन पौधा रोपण कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के पौधों को रोपित किया गया। जिसमे कदंब, शीशम,आंवला आदि के पौधे परिसर में पूर्ण सुरक्षा एवम देखभाल के साथ रोपित किए गए।

पौधारोपण के इस अवसर पर डीन कृषि महाविद्यालय डॉ एन के शर्मा ने कहा कि,आज के समय के जलवायु परिवर्तन और बढ़ते वैश्विक तापमान को देखते हुए हर एक व्यक्ति को पौधा रोपण करना चाहिए साथ ही उस पौधे को अपना परिवार का प्रमुख सदस्य समझकर उसकी पूरी देखरेख भी करनी चाहिए। क्यों कि,ये पौधे सिर्फ कोई पेड़ नहीं है बल्कि,हम सबका परिवार हैं और हमारे आपके जीवन का मूल आधार भी है क्यों

कि इनके बिना धरती पर जीवन की कल्पना ही नही की जा सकती है ।

संस्था ओशन के महासचिव, पर्यावरणविद एवम वन्यजीव विशेषज्ञ सर्पमित्र, डॉ आशीष त्रिपाठी ने कहा कि,पेड़ लगाना सिर्फ जरूरी ही नहीं बल्कि,अब हम सबकी मजबूरी भी है क्यों कि, विगत दिनों में राजधानी दिल्ली के 52 डिग्री तापमान ने चेतावनी दे दी है कि अब समय आ चुका है कि हम सबको मिलकर अनिवार्य रूप से प्रत्येक वर्ष प्रत्येक माह में एक पेड़ अवश्य ही लगाना होगा नहीं तो आने वाले कुछ ही वर्षों में गर्मी की स्थिति बेहद गंभीर हो सकती है। उन्होंने कहा कि,धरती पर सिर्फ पेड़ ही एक वह साधन मात्र है जिनके माध्यम से हम धरती के बढ़ते तापमान को कम कर सकते है। नहीं तो भविष्य में ऐसी स्थिति आने वाली है कि हमारे पास सोचने का वक्त शेष नहीं होगा। आज बढ़ते तापमान से घरों में लगे एसी,कूलर भी फेल हो रहे है तो ऐसी गंभीर स्थिति में हमारी प्रकृति में यदि पेड़ पौधे और जीव जन्तु जीवित नहीं रहे तो यह भी तय है कि, इस धरती पर भविष्य में मानव का भी कोई अस्तित्व शेष नहीं बचेगा।

पौधा रोपण के अवसर पर प्रभारी सुरक्षा एम ए हुसैन, निदेशक शारीरिक शिक्षा सतेंद्र पाल,परीक्षा प्रभारी इं बर्जेश कुमार,प्रभारी हार्टिकल्चर इं सर्वेश वर्मा,ज्ञान सिंह,आयुष त्रिपाठी,असद अहमद,मनोज शर्मा सहित सभी कर्मचारी,स्टाफ एवम विभिन्न छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 15 अंक : 334 कानपुर, शुक्रवार 07 जून 2024 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

पेड़ नहीं परिवार हैं जीवन का आधार है : डॉ एन के शर्मा

कानपुर । सीएसए के अधीन संचालित कृषि अभियंता महाविद्यालय एवं वन्यजीव एवम पर्यावरण संरक्षण के लिए समर्पित संस्था (ओशन) ऑर्गनाइजेशन फॉर कंजरवेशन ऑफ इन्वायरनमेंट एंड नेचर के संयुक्त तत्वाधान एवम कुलपति,कृषि विश्विद्यालय, कानपुर डॉ आनन्द कुमार सिंह के कुशल दिशा निर्देशन में कृषि महाविद्यालय के विशाल हरे भरे परिसर में सघन पौधा रोपण कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के पौधों को रोपित किया गया। जिसमे कदंब शीशम आंवला आदि के पौधे परिसर में पूर्ण सुरक्षा एवम देखभाल के साथ रोपित किए गए। पौधारोपण के इस अवसर पर डीन कृषि महाविद्यालय डॉ एन के शर्मा ने कहा कि,आज के समय के जलवायु परिवर्तन और बढ़ते वैश्विक तापमान को देखते हुए हर एक व्यक्ति को पौधा रोपण करना चाहिए साथ ही उस पौधे को अपना परिवार का प्रमुख सदस्य समझकर उसकी पूरी देखरेख भी करनी चाहिए। क्यों कि,ये पौधे सिर्फ कोई पेड़ नहीं है बल्कि,हम सबका परिवार हैं और हमारे आपके जीवन का मूल आधार भी है क्यों कि इनके बिना धरती पर जीवन की कल्पना ही नही की जा सकती है। संस्था ओशन के महासचिव, पर्यावरणविद एवम वन्यजीव विशेषज्ञ सर्पमित्र, डॉ आशीष त्रिपाठी ने कहा कि,पेड़ लगाना सिर्फ जरूरी ही नहीं बल्कि,अब हम

सबकी मजबूरी भी है क्यों कि, विगत दिनों में राजधानी दिल्ली के 52 डिग्री तापमान ने चेतावनी दे दी है कि अब समय आ चुका है कि हम सबको मिलकर अनिवार्य रूप से प्रत्येक वर्ष प्रत्येक माह में एक पेड़ अवश्य ही लगाना होगा नहीं तो आने वाले कुछ ही वर्षों में गर्मी की स्थिति बेहद गंभीर हो सकती है। उन्होंने कहा कि,धरती पर सिर्फ पेड़ ही एक वह साधन मात्र है जिनके माध्यम से हम धरती के बढ़ते तापमान को कम कर सकते है। नहीं तो भविष्य में ऐसी स्थिति आने वाली है कि हमारे पास सोचने का वक्त शेष नहीं होगा। आज बढ़ते तापमान से घरों में लगे एसी,कूलर भी फेल हो रहे है तो ऐसी गंभीर स्थिति में हमारी प्रकृति में यदि पेड़ पौधे और जीव जन्तु जीवित नहीं रहे तो यह भी तय है कि, इस धरती पर भविष्य में मानव का भी कोई अस्तित्व शेष नहीं बचेगा। पौधा रोपण के अवसर पर प्रभारी सुरक्षा एम ए हुसैन, निदेशक शारीरिक शिक्षा सतेंद्र पाल,परीक्षा प्रभारी इं बर्जेश कुमार,प्रभारी हार्टिकल्चर इं सर्वेश वर्मा,ज्ञान सिंह,आयुष त्रिपाठी,असद अहमद,मनोज शर्मा सहित सभी कर्मचारी,स्टाफ एवम विभिन्न छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 15 अंक : 334 कानपुर, शुक्रवार 07 जून 2024 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

बकरी पालन कर आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबी बने पशु पालक: डॉ स्वरूप

कानपुर । सीएसए के अधीन संचालित नगला निरंजन दीवानी रोड स्थिति कृषि विज्ञान केंद्र पर ग्रामीण युवकों एवं पशुपालकों को आत्मनिर्भर बनाने एवं स्वरोजगार के लिए बकरी पालन एक लाभकारी व्यवसाय विषय पर सात दिवसीय (29 मई से 05 जून 2024) प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के अंतिम दिन विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उपस्थित सभी को कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर विकास रंजन चौधरी ने पर्यावरण के महत्व एवं जलवायु परिवर्तन पर बहुत ही उपयोगी जानकारी प्रदान की। तथा प्रशिक्षणर्थियों को संबोधित करते हुए बकरी पालन प्रशिक्षण के उपरांत रोजगार करने के लिए प्रेरित किया और कहा कि बकरी पालन ऐसा व्यवसाय है कि इसके सभी उत्पाद उपयोगी होते हैं। केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ सुशील कुमार ने सभी प्रतिभागियों को केंद्र द्वारा कृषक हित में चलाया जा रहे कार्यक्रमों की जानकारी दी।प्रतिभागियों से आवाहन किया कि बकरी पालन व्यवसाय को नवीनतम तकनीकियों को अपनाकर अधिक से अधिक लाभ कमाए। केंद्र के पशु पालन वैज्ञानिक डॉक्टर देवेंद्र स्वरूप ने बकरी पालन के लिए आवश्यक मूलभूत सुविधाएं स्थान चयन जनपद के लिए प्रमुख नस्ल ,जैसे बरबरी, जमुनापारी, बीटल, सिरोही के पहचान व कुंड उनके आवास व्यवस्था

तथा खान पान एवं रखरखाव विषय पर जानकारी प्रदान किया। बकरियों के लिए हरे चारे का महत्व , इसका उत्पादन एवं वर्षभर हरा चारा उपलब्धता के लिए बहु वर्षीय नेपियर घास दीनानाथ घास, शुबबूल, ग्रामीण स्तर पर बकरियों के लिए दाना का निर्माण आदि विषयों पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। बकरियां में होने वाले प्रमुख रोग उनके रोकथाम एवं बचाव क्रिमिनास एवं टीकाकरण के महत्व व अन्य विषय पर सारगर्भित जानकारी प्रदान किया। केंद्र के वैज्ञानिक डॉ विकास रंजन चौधरी डॉक्टर आर. एन. सिंह डॉक्टर विनोद कुमार एवं समस्त प्रतिभागियों ने केंद्र पर स्थापित विभिन्न प्रदर्शन इकाइयों नाडेप कंपोस्ट इकाई , वर्मी कंपोस्ट औषधि वाटिका अजोला उत्पादन इकाई नेपियर हरा चारा इकाई आदि का भ्रमण कर अवलोकन कराया।केंद्र के मौसम वैज्ञानिक नरेंद्र वर्मा ने प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण का पूरा लाभ लेकर बकरी व्यवसाय को और लाभकारी बनाने का आवाहन किया। सुल्तानगंज के 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

अमर भारती
एक उम्मीद
संस्करण
मूल्यः 03 रु. RNI No. UPHIN/2011/46455 www.amarbharti.com शुक्रवार, 07 जून 2024 शक सम्वत्

बकरी पालन कर आत्मनिर्भर व स्वावलंबी बने पशुपालकः डॉ. स्वरूप

अमर भारती ब्यूरो

कानपुर। सीएसए के अधीन संचालित नगला निरंजन दीवानी रोड स्थिति कृषि विज्ञान केंद्र पर ग्रामीण युवकों एवं पशुपालकों को आत्मनिर्भर बनाने एवं स्वरोजगार के लिए बकरी पालन एक लाभकारी व्यवसाय विषय पर सात दिवसीय (29 मई से 05 जून 2024) प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के अंतिम दिन विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उपस्थित सभी को कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर विकास रंजन चौधरी ने पर्यावरण के महत्व एवं जलवायु परिवर्तन पर बहुत ही उपयोगी जानकारी प्रदान की। तथा प्रशिक्षणर्थियों को संबोधित करते हुए बकरी पालन प्रशिक्षण के उपरांत रोजगार करने के लिए प्रेरित किया और कहा कि बकरी पालन ऐसा व्यवसाय है कि इसके सभी उत्पाद उपयोगी होते हैं। केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ सुशील कुमार ने सभी प्रतिभागियों को केंद्र द्वारा कृषक हित में चलाया जा रहे कार्यक्रमों की जानकारी दी। प्रतिभागियों से आवाहन किया कि बकरी पालन व्यवसाय को नवीनतम तकनीकियों को अपनाकर अधिक से अधिक लाभ कमाए। केंद्र के पशु पालन वैज्ञानिक डॉक्टर देवेंद्र स्वरूप ने बकरी पालन के लिए आवश्यक मूलभूत सुविधाएं स्थान चयन जनपद के लिए प्रमुख नस्ल ,जैसे बरबरी, जमुनापारी, बीटल, सिरोही के पहचान व कुंड उनके आवास व्यवस्था तथा खान पान एवं रखरखाव , विषय पर जानकारी प्रदान किया। बकरियों के लिए हरे चारे का महत्व, इसका उत्पादन एवं वर्षभर हरा चारा उपलब्धता के लिए बहु वर्षीय नेपियर घास दीनानाथ घास, शुबबूल, ग्रामीण स्तर पर बकरियों के लिए दाना का निर्माण आदि विषयों पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। केंद्र के वैज्ञानिक डॉ विकास रंजन चौधरी , डॉक्टर आर. एन. सिंह , डॉक्टर विनोद कुमार एवं समस्त प्रतिभागियों ने केंद्र पर स्थापित विभिन्न प्रदर्शन इकाइयों नाडेप कंपोस्ट इकाई, नेपियर हरा चारा इकाई आदि का भ्रमण कर अवलोकन कराया।

पेड़ नहीं परिवार है, जीवन का आधार है

डीटीएनएन | कानपुर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि अभियंता महाविद्यालय एवं वन्यजीव एवम पर्यावरण संरक्षण के लिए समर्पित संस्था (ओशन) ऑर्गनाइजेशन फॉर कंजरवेशन ऑफ इन्वायरनमेंट एंड नेचर के संयुक्त तत्वाधान एवम कुलपति,कृषि विश्विद्यालय, कानपुर डॉ आनन्द कुमार सिंह के कुशल दिशा निर्देशन में कृषि महाविद्यालय के विशाल हरे भरे परिसर में सघन पौधा रोपण कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के पौधों को रोपित किया गया। जिसमे कदंब, शीशम,आंवला आदि के पौधे परिसर में पूर्ण सुरक्षा एवम देखभाल के साथ रोपित किए गए।

पौधारोपण के इस अवसर पर डीन कृषि महाविद्यालय डॉ एन के शर्मा ने कहा कि,आज के समय के जलवायु परिवर्तन और बढ़ते वैश्विक तापमान को देखते हुए हर एक व्यक्ति को पौधा रोपण करना चाहिए साथ ही उस पौधे को अपना परिवार का प्रमुख सदस्य समझकर उसकी पूरी देखरेख भी करनी चाहिए। क्यों कि,ये पौधे सिर्फ कोई पेड़ नहीं है बल्कि,हम सबका परिवार हैं और हमारे आपके जीवन का मूल आधार भी है क्यों कि इनके बिना धरती पर जीवन की कल्पना ही नही की जा सकती है ।

संस्था ओशन के महासचिव, पर्यावरणविद एवम वन्यजीव विशेषज्ञ सर्पमित्र, डॉ आशीष त्रिपाठी ने कहा कि,पेड़ लगाना सिर्फ जरूरी ही नहीं बल्कि,अब हम सबकी मजबूरी भी है क्यों कि, विगत दिनों में राजधानी दिल्ली के 52 डिग्री तापमान ने चेतावनी दे दी है कि अब समय आ चुका है कि हम सबको मिलकर

अनिवार्य रूप से प्रत्येक वर्ष प्रत्येक माह में एक पेड़ अवश्य ही लगाना होगा नहीं तो आने वाले कुछ ही वर्षों में गर्मी की स्थिति बेहद गंभीर हो सकती है। उन्होंने कहा कि,धरती पर सिर्फ पेड़ ही एक वह साधन मात्र है जिनके माध्यम से हम धरती के बढ़ते तापमान को कम कर सकते है। नहीं तो भविष्य में ऐसी स्थिति आने वाली है कि हमारे पास सोचने का वक्त शेष नहीं होगा। आज बढ़ते तापमान से घरों में लगे एसी,कूलर भी फेल हो रहे है तो ऐसी गंभीर स्थिति में हमारी प्रकृति में यदि पेड़ पौधे और जीव जन्तु जीवित नहीं रहे तो यह भी तय है कि, इस धरती पर भविष्य में मानव का भी कोई अस्तित्व शेष नहीं बचेगा।

पौधा रोपण के अवसर पर प्रभारी सुरक्षा एम ए हुसैन, निदेशक शारीरिक शिक्षा सतेंद्र पाल,परीक्षा प्रभारी इं बर्जेश कुमार,प्रभारी हार्टिकल्चर इं सर्वेश वर्मा,ज्ञान सिंह,आयुष त्रिपाठी,असद अहमद,मनोज शर्मा सहित सभी कर्मचारी,स्टाफ एवम विभिन्न छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

उपदेश टाइम्स

कानपुर से प्रकाशित एवं कानपुर, उन्नाव, लखनऊ, गोण्डा, जौनपुर, फिरोजाबाद, जालौन उरई, कन्नौज, फतेहाबाद, एटा से प्रकाशित

मूल्य रू0 2.00 | कानपुर,शुक्रवार 07 जून,2024 | (Email:

बकरी पालन कर आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबी बने पशु पालक- डॉ स्वरूप

उपदेश टाइम्स कानपुर

कानपुर नगर, चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित नगला निरंजन दीवानी रोड स्थिति कृषि विज्ञान केंद्र पर ग्रामीण युवकों एवं पशुपालकों को आत्मनिर्भर बनाने एवं स्वरोजगार के लिए बकरी पालन एक लाभकारी व्यवसाय विषय पर सात दिवसीय प्रशिक्षण के अंतिम दिन विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उपस्थित सभी को कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर विकास रंजन चौधरी ने पर्यावरण के महत्व एवं जलवायु परिवर्तन पर बहुत ही उपयोगी जानकारी प्रदान की। डॉक्टर रंजन ने प्रशिक्षणर्थियों को संबोधित करते हुए बकरी पालन प्रशिक्षण के उपरांत रोजगार करने के लिए प्रेरित किया और कहा कि बकरी पालन ऐसा व्यवसाय है कि इसके सभी उत्पाद उपयोगी होते हैं ' केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ सुशील कुमार ने सभी प्रतिभागियों से आवाहन किया कि बकरी पालन व्यवसाय

को नवीनतम तकनीकियों को अपनाकर अधिक से अधिक लाभ कमाए। केंद्र के पशु पालन वैज्ञानिक डॉक्टर देवेंद्र स्वरूप ने बकरी पालन के लिए आवश्यक मूलभूत सुविधाएं स्थान चयन जनपद के लिए प्रमुख नस्ल ,जैसे बरबरी, जमुनापारी, बीटल, सिरोही के पहचान व कुंड उनके आवास व्यवस्था तथा खान पान एवं रखरखाव , विषय पर जानकारी प्रदान किया ' केंद्र के वैज्ञानिक डॉ विकास रंजन चौधरी , डॉक्टर आर. एन. सिंह , डॉक्टर विनोद कुमार एवं समस्त प्रतिभागियों ने केंद्र पर स्थापित विभिन्न प्रदर्शन इकाइयों नाडेप कंपोस्ट इकाई , वर्मी कंपोस्ट ,औषधि वाटिका , अजोला उत्पादन इकाई , नेपियर हरा चारा इकाई आदि का भ्रमण कर अवलोकन कराया केंद्र के मौसम वैज्ञानिक नरेंद्र वर्मा ने प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण का पूरा लाभ लेकर बकरी व्यवसाय को और लाभकारी बनाने का आवाहन किया ' सुखबीर सिंह. भूप सिंह सिंह ,रतन सिंह सर्बेश कुमार , कुमार ,अशोक कुमार , सुमी देवी ,चंद्रकली , रसमी देवी , चंद्र कली देवी के साथ सहित किशनी, करहल,भोगांव , सुल्तानगंज के 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया '

राष्ट्रीय
सहारा
कानपुर • शुक्रवार • 7 जून • 2024

'बकरी पालन कर आत्मनिर्भर बनें पशु पालक'

कानपुर (एसएनबी)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित नगला निरंजन कृषि विज्ञान केंद्र पर ग्रामीण युवकों एवं पशुपालकों को आत्मनिर्भर बनाने एवं स्वरोजगार के लिए बकरी पालन एक लाभकारी व्यवसाय विषय पर आयोजित सात दिनी प्रशिक्षण शिविर का समापन हो गया।

बकरी पालन प्रशिक्षण के प्रतिभागी को प्रमाण पत्र देते आयोजक मंडल के सदस्य।

अंतिम दिन उपस्थित सभी लोगों को कृषि वैज्ञानिक डॉ.विकास रंजन चौधरी ने पर्यावरण के महत्व एवं जलवायु परिवर्तन पर बहुत उपयोगी जानकारी प्रदान की। प्रशिक्षणार्थियों को बकरी इसके सभी उत्पाद उपयोगी होते है।

केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ.सुशील कुमार प्रतिभागियों से आह्वान किया कि बकरी पालन व्यवसाय को नवीनतम तकनीकियों को अपनाकर अधिक से अधिक लाभ कमाए। केंद्र के पशु पालन वैज्ञानिक डॉ.देवेंद्र स्वरूप ने बकरी पालन के लिए आवश्यक मूलभूत सुविधाएं, स्थान चयन, जनपद के लिए प्रमुख नस्ल जैसे बरबरी, जमुनापारी, बीटल, सिरोही के पहचान व कुंड उनके आवास व्यवस्था तथा खान पान एवं रखरखाव से जुड़ी जानकारी प्रदान की। उन्होंने बकरियों के लिए हरे चारे का महत्व, इसका उत्पादन एवं वर्षभर हरा चारा उपलब्धता के लिए बहु वर्षीय नेपियर घास दीनानाथ घास, शुबबूल, ग्रामीण स्तर पर बकरियों में होने वाले प्रमुख रोग, उनकी रोकथाम एवं बचाव, क्रिमिनास एवं टीकाकरण के महत्व व अन्य विषय पर सारगर्भित जानकारी प्रदान की।

केंद्र के वैज्ञानिक डॉ.विकास रंजन चौधरी, डॉ.आरएन सिंह, डॉ. विनोद कुमार एवं समस्त प्रतिभागियों ने केंद्र पर स्थापित विभिन्न प्रदर्शन इकाइयों नाडेप कंपोस्ट इकाई, वर्मी कंपोस्ट, औषधि वाटिका, अजोला उत्पादन इकाई, नेपियर हरा चारा इकाई आदि का भ्रमण कर अवलोकन कराया। केंद्र के मौसम वैज्ञानिक नरेंद्र वर्मा ने प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण का पूरा लाभ लेकर बकरी व्यवसाय को और लाभकारी बनाने का आवाह्न किया। प्रमुख रूप से सुखबीर सिंह, भूप सिंह, रतन सिंह, सर्वेश कुमार, अशोक कुमार, सुमी देवी, चंद्रकली, रसमी देवी, चंद्र कली देवी

उपदेश टाइम्स

कानपुर से प्रकाशित एवं कानपुर, उन्नाव, लखनऊ, गोण्डा, जौनपुर, फिरोजाबाद, जालौन उरई, कन्नौज, फर्रुखाबाद, एटा से प्रसारित

मूल्य रू0 2.00 | कानपुर,शुक्रवार 07 जून,2024 | (Email:

पेड़ नहीं परिवार हैं जीवन का आधार है : डॉ एन के शर्मा

उपदेश टाइम्स कानपुर

कानपुर नगर,चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि अभियंता महाविद्यालय एवं वन्यजीव एवम पर्यावरण संरक्षण के लिए समर्पित संस्था ऑर्गनाइजेशन फॉर कंजरवेशन ऑफ इन्वायरनमेंट एंड नेचर के संयुक्त तत्वाधान एवम कुलपति,कृषि विश्विद्यालय, कानपुर डॉ आनन्द कुमार सिंह के कुशल दिशा निर्देशन में कृषि महाविद्यालय के विशाल हरे भरे परिसर में सघन पौधा रोपण कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के पौधों को रोपित किया गया। इस अवसर पर कदंब,

शीशम,आंवला आदि के पौधे परिसर में पूर्ण सुरक्षा एवम देखभाल के साथ रोपित किए गए। कृषि महाविद्यालय डॉ एन के शर्मा ने कहा कि,आज के समय के जलवायु परिवर्तन और बढ़ते वैश्विक तापमान को देखते हुए हर एक व्यक्ति को पौधा रोपण करना चाहिए साथ ही उस पौधे को अपना परिवार का प्रमुख सदस्य समझकर उसकी पूरी देखरेख भी करनी चाहिए। क्यों कि इनके बिना धरती पर जीवन की कल्पना ही नही की जा सकती है । डॉ आशीष त्रिपाठी ने कहा कि,पेड़ लगाना सिर्फ जरूरी ही नहीं बल्कि,अब हम सबकी मजबूरी भी है क्यों कि, विगत दिनों में राजधानी दिल्ली के 52 डिग्री तापमान ने चेतावनी दे दी है कि अब समय आ चुका है कि हम सबको मिलकर अनिवार्य रूप से प्रत्येक वर्ष प्रत्येक माह में एक पेड़ अवश्य ही लगाना होगा नहीं तो आने वाले कुछ ही वर्षों में गर्मी की स्थिति बेहद गंभीर हो सकती है। उन्होंने कहा कि,धरती पर सिर्फ पेड़ ही एक वह साधन मात्र है। आज बढ़ते तापमान से घरों में लगे एसी,कूलर भी फेल हो रहे है तो ऐसी गंभीर स्थिति में हमारी प्रकृति में यदि पेड़ पौधे और जीव जन्तु जीवित नहीं रहे तो यह भी तय है कि, इस धरती पर भविष्य में मानव का भी कोई अस्तित्व शेष नहीं बचेगा।

पौधा रोपण के अवसर पर प्रभारी सुरक्षा एम ए हुसैन, निदेशक शारीरिक शिक्षा सतेंद्र पाल,परीक्षा प्रभारी इं बर्जेश कुमार,प्रभारी हार्टिकल्चर इं सर्वेश वर्मा,ज्ञान सिंह,आयुष त्रिपाठी,असद अहमद,मनोज शर्मा सहित सभी कर्मचारी,स्टाफ एवम विभिन्न छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

हिन्दी दैनिक)
R.N.I. No. Utthin/2018/76731
/8
(गांव देहात की खबर, शहर पर भी नजर)
दि ग्राम टुडे
उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश से एक साथ प्रसारित
: 06 अंक : 224 देहरादून, शुक्रवार, 07 जून 2024 मूल्य : 2 रुपये पृष्ठ - 8

दिन में प्रयुक्त औजार भी वहां पड़ श्रीनिवास,धीरेन्द्र मिश्रा मण्डल अपने स्तर से मामले की जांच करेंगे व्रत रखकर वटवृक्ष की पूजा करतीं करते हुए, रक्षा सूत्र बांधकर जोता है।

बकरी पालन कर आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबी बने पशु पालक..डॉ स्वरूप

दि ग्राम टुडे, कानपुर।
(संजय मौर्य)

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित नगला निरंजन दीवानी रोड स्थिति कृषि विज्ञान केंद्र पर ग्रामीण युवकों एवं पशुपालकों को आत्मनिर्भर बनाने एवं स्वरोजगार के लिए बकरी पालन एक लाभकारी व्यवसाय विषय पर सात दिवसीय (29 मई से 05 जून 2024) प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के अंतिम दिन विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उपस्थित सभी को कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर विकास रंजन चौधरी ने पर्यावरण के महत्व एवं जलवायु परिवर्तन पर बहुत ही उपयोगी जानकारी प्रदान की। तथा प्रशिक्षणर्थियों को संबोधित करते हुए बकरी पालन प्रशिक्षण के उपरांत रोजगार करने के लिए प्रेरित किया और कहा कि बकरी पालन ऐसा व्यवसाय है कि इसके सभी उत्पाद उपयोगी होते हैं द्य केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ सुशील कुमार ने सभी प्रतिभागियों को केंद्र द्वारा कृषक हित में चलाया जा रहे कार्यक्रमों की जानकारी दी।प्रतिभागियों से आवाहन किया कि बकरी पालन व्यवसाय को नवीनतम तकनीकियों को अपनाकर अधिक से अधिक लाभ कमाए। केंद्र के पशु पालन वैज्ञानिक डॉक्टर देवेंद्र स्वरूप ने बकरी पालन के लिए आवश्यक मूलभूत सुविधाएं स्थान चयन जनपद के लिए प्रमुख नस्ल ,जैसे बरबरी, जमुनापारी, बीटल, सिरोही के पहचान व कुंड उनके आवास व्यवस्था तथा खान पान एवं रखरखाव , विषय पर जानकारी प्रदान किया द्य बकरियों के लिए हरे चारे का महत्व , इसका उत्पादन एवं वर्षभर हरा चारा उपलब्धता के लिए बहु वर्षीय नेपियर घास दीनानाथ घास, शुबबूल, ग्रामीण स्तर पर बकरियों के लिए दाना का निर्माण आदि विषयों पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई द्य बकरियां में होने वाले प्रमुख रोग उनके रोकथाम एवं बचाव क्रिमिनास एवं टीकाकरण के महत्व व अन्य विषय पर सारगर्भित जानकारी प्रदान किया द्य केंद्र के वैज्ञानिक डॉ विकास रंजन चौधरी , डॉक्टर आर. एन. सिंह , डॉक्टर विनोद कुमार एवं समस्त प्रतिभागियों ने केंद्र पर स्थापित विभिन्न प्रदर्शन इकाइयों नाडेप कंपोस्ट इकाई , वर्मी कंपोस्ट ,औषधि वाटिका , अजोला उत्पादन इकाई , नेपियर हरा चारा इकाई आदि का भ्रमण कर अवलोकन कराया।केंद्र के मौसम वैज्ञानिक नरेंद्र वर्मा ने प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण का पूरा लाभ लेकर बकरी व्यवसाय को और लाभकारी बनाने का आवाहन किया द्य सुखबीर सिंह. भूप सिंह सिंह ,रतन सिंह सर्वेश कुमार , कुमार ,अशोक कुमार , सुमी देवी , चंद्रकली , रसमी देवी , श्रीमती चंद्र कली देवी के साथ सहित किशनी, करहल,भोगांव , सुल्तानगंज के 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया द्य

अमर उजाला 07/06/2024

ऑनलाइन कोर्स ... भी छात्रों को प्रशिक्षित
जुलाई से कोर्स ... गीरो कार्बन उत्सर्जन
... करेंगे।

सीएसए परिसर में हुआ पौधरोपण

कानपुर। सीएसए के कृषि महाविद्यालय में सघन पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कृषि अभियंता महाविद्यालय एवं वन्यजीव पर्यावरण संरक्षण के लिए समर्पित संस्था (ओशन) ऑर्गनाइजेशन फॉर कंजरवेशन ऑफ इन्वायरनमेंट एंड नेचर के संयुक्त तत्वावधान में कदंब, शीशम, आंवला आदि के पौधे परिसर में रोपे गए। डीन कृषि महाविद्यालय डॉ. एनके शर्मा ने कहा कि जलवायु परिवर्तन और बढ़ते वैश्विक तापमान को देखते हुए हर व्यक्ति को पौधे लगाने चाहिए। डॉ. आशीष त्रिपाठी ने कहा कि बढ़ते तापमान को देखते हुए पेड़ लगाना जरूरी ही नहीं, बल्कि अब मजबूरी भी है। यहां प्रभारी सुरक्षा एमए हुसैन, निदेशक शारीरिक शिक्षा सतेंद्र पाल, बृजेश कुमार, सर्वेश वर्मा, ज्ञान सिंह, आयुष त्रिपाठी, असद अहमद आदि रहे। (ब्यूरो)

राष्ट्रीय
सहारा
कानपुर • शुक्रवार • 7 जून • 2024

'पेड़ जीवन का आधार हैं, इन्हें बनायें परिवार का हिस्सा'

सीएसए के कृषि अभियंता महाविद्यालय में रोपे गये पौधे

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

कानपुर।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि अभियंता महाविद्यालय एवं वन्यजीव एवम पर्यावरण संरक्षण के लिए समर्पित संस्था (ओशन) ऑर्गनाइजेशन फॉर कंजरवेशन ऑफ इन्वायरनमेंट एंड नेचर के संयुक्त तत्वावधान में कृषि महाविद्यालय में सघन पौधा रोपण कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के पौधों को रोपित किया गया। जिसमे कदंब, शीशम, आंवला आदि के पौधे परिसर में पूर्ण सुरक्षा एवं देखभाल के साथ रोपित किए गए।

पौधारोपण के इस अवसर पर डीन कृषि महाविद्यालय डॉ. एन के शर्मा ने कहा कि आज के समय के जलवायु परिवर्तन और बढ़ते वैश्विक तापमान को देखते हुए हर एक व्यक्ति को पौधा रोपण करना चाहिए साथ ही उस पौधे को अपने परिवार का प्रमुख सदस्य समझकर उसकी पूरी देखरेख भी करनी चाहिए। क्योंकि ये पौधे सिर्फ कोई पेड़ नहीं हैं बल्कि हम सबका परिवार हैं और हमारे आपके जीवन का मूल आधार भी है क्योंकि इनके बिना धरती पर जीवन की कल्पना ही नही की जा सकती है।

संस्था ओशन के महासचिव सर्प मित्र डॉ. आशीष त्रिपाठी ने कहा कि पेड़ लगाना सिर्फ जरूरी नहीं, अब हम सबकी मजबूरी भी है क्योंकि विगत दिनों में राजधानी दिल्ली के 52 डिग्री तापमान ने चेतावनी दे दी है कि अब समय आ चुका है कि हम सबको मिलकर अनिवार्य रूप से प्रत्येक वर्ष प्रत्येक माह में एक पेड़ अवश्य ही लगाना होगा नहीं तो आने वाले कुछ ही वर्षों में गर्मी की स्थिति बेहद गंभीर हो सकती है। उन्होंने कहा कि धरती पर सिर्फ पेड़ ही एक वह साधन मात्र है जिनके माध्यम से हम धरती के बढ़ते तापमान को कम कर सकते हैं नहीं तो भविष्य में ऐसी स्थिति आने वाली है कि हमारे पास सोचने का वक्त शेष नहीं होगा। आज बढ़ते तापमान से घरों में लगे एसी, कूलर भी फेल हो रहे हैं तो ऐसी गंभीर स्थिति में यदि पेड़ पौधे और जीव जन्तु जीवित नहीं रहे तो यह भी तय है कि इस धरती पर भविष्य में मानव का भी कोई अस्तित्व शेष नहीं बचेगा।

कृषि अभियंता महाविद्यालय में पौधरोपण करते आयोजक। फोटो : एसएनबी

पौधरोपण के अवसर पर प्रभारी सुरक्षा एमए हुसैन, निदेशक शारीरिक शिक्षा सतेंद्र पाल, परीक्षा प्रभारी ब्रजेश कुमार, प्रभारी हार्टिकल्चर सर्वेश वर्मा, ज्ञान सिंह, आयुप त्रिपाठी, असद अहमद, मनोज शर्मा सहित सभी कर्मचारी, स्टाफ एवं विभिन्न छात्रछात्राएं उपस्थित रहे।

हिन्दी दैनिक)
/8
R.N.I. No. Utthin/2018/76731
(गांव देहात की खबर, शहर पर भी नजर)
दि ग्राम टुडे
उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश से एक साथ प्रसारित
: 06 अंक : 224 देहरादून, शुक्रवार, 07 जून 2024 मूल्य : 2 रुपये पृष्ठ - 8

पेड़ नहीं परिवार हैं जीवन का आधार है... डॉ एन के शर्मा

दि ग्राम टुडे , कानपुर ।
(संजय मौर्य)

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि अभियंता महाविद्यालय एवं वन्यजीव एवम पर्यावरण संरक्षण के लिए समर्पित संस्था (ओशन) ऑर्गनाइजेशन फॉर कंजरवेशन ऑफ इन्वायरनमेंट एंड नेचर के संयुक्त तत्वाधान एवम कुलपति,कृषि विश्विद्यालय, कानपुर डॉ आनन्द कुमार सिंह के कुशल दिशा निर्देशन में कृषि महाविद्यालय के विशाल हरे भरे परिसर में सघन पौधा रोपण कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के पौधों को रोपित किया गया। जिसमे कदंब, शीशम,आंवला आदि के पौधे परिसर में पूर्ण सुरक्षा एवम देखभाल के साथ रोपित किए गए।

पौधारोपण के इस अवसर पर डीन कृषि महाविद्यालय डॉ एन के शर्मा ने कहा कि,आज के समय के जलवायु परिवर्तन और बढ़ते वैश्विक तापमान

को देखते हुए हर एक व्यक्ति को पौधा रोपण करना चाहिए साथ ही उस पौधे को अपना परिवार का प्रमुख सदस्य समझकर उसकी पूरी देखरेख भी करनी चाहिए। क्यों कि,ये पौधे सिर्फ कोई पेड़ नहीं है बल्कि,हम सबका परिवार हैं और हमारे आपके जीवन का मूल आधार भी है क्यों कि इनके बिना धरती पर जीवन की कल्पना ही नही की जा सकती है ।

संस्था ओशन के महासचिव, पर्यावरणविद एवम वन्यजीव विशेषज्ञ सर्पमित्र, डॉ आशीष त्रिपाठी ने कहा कि,पेड़ लगाना सिर्फ जरूरी ही नहीं बल्कि,अब हम सबकी मजबूरी भी है क्यों कि, विगत दिनों में राजधानी दिल्ली के 52 डिग्री तापमान ने चेतावनी दे दी है कि अब समय आ चुका है कि हम सबको मिलकर अनिवार्य रूप से प्रत्येक वर्ष प्रत्येक माह में एक पेड़ अवश्य ही लगाना होगा नहीं तो आने वाले कुछ ही वर्षों में गर्मी की स्थिति बेहद गंभीर हो सकती है। उन्होंने कहा कि,धरती पर सिर्फ पेड़ ही एक वह साधन मात्र है जिनके माध्यम से हम धरती के बढ़ते तापमान को कम कर सकते है। नहीं तो भविष्य में ऐसी स्थिति आने वाली है कि हमारे पास सोचने का वक्त शेष नहीं होगा। आज बढ़ते तापमान से घरों में लगे एसी,कूलर भी फेल हो रहे है तो ऐसी गंभीर स्थिति में हमारी प्रकृति में यदि पेड़ पौधे और जीव जन्तु जीवित नहीं रहे तो यह भी तय है कि, इस धरती पर भविष्य में मानव का भी कोई अस्तित्व शेष नहीं बचेगा।

पौधा रोपण के अवसर पर प्रभारी सुरक्षा एम ए हुसैन, निदेशक शारीरिक शिक्षा सतेंद्र पाल,परीक्षा प्रभारी इं बर्जेश कुमार,प्रभारी हार्टिकल्चर इं सर्वेश वर्मा,ज्ञान सिंह,आयुष त्रिपाठी,असद अहमद,मनोज शर्मा सहित सभी कर्मचारी,स्टाफ एवम विभिन्न छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

हिंदी दैनिक

रहस्य संदेश

अंक-159 लखनऊ व एटा से प्रकाशित शुक्रवार, 07 जून 2024 R.N.I. No.: UPHIN/2007/20715 पृष्ठ-4

बकरी पालन कर आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबी बने पशु पालक–डॉ स्वरूप

अनवर अशरफ

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित नगला निरंजन दीवानी रोड स्थिति कृषि विज्ञान केंद्र पर ग्रामीण युवकों एवं पशुपालकों को आत्मनिर्भर बनाने एवं स्वरोजगार के लिए बकरी पालन एक लाभकारी व्यवसाय विषय पर सात दिवसीय (29 मई से 05 जून 2024) प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के अंतिम दिन विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उपस्थित सभी को कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर विकास रंजन चौधरी ने पर्यावरण के महत्व एवं जलवायु परिवर्तन पर बहुत ही उपयोगी जानकारी प्रदान की। तथा प्रशिक्षणर्थियों को संबोधित करते हुए बकरी पालन प्रशिक्षण के उपरांत रोजगार करने के लिए प्रेरित किया और कहा कि बकरी पालन ऐसा व्यवसाय है कि इसके सभी उत्पाद उपयोगी होते हैं द्य केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ सुशील कुमार ने सभी प्रतिभागियों को केंद्र द्वारा कृषक हित में चलाया जा रहे कार्यक्रमों की जानकारी दी।प्रतिभागियों से आवाहन किया कि बकरी पालन व्यवसाय को नवीनतम तकनीकियों को अपनाकर अधिक से अधिक लाभ कमाए। केंद्र के पशु पालन वैज्ञानिक डॉक्टर देवेंद्र स्वरूप ने बकरी पालन के लिए आवश्यक मूलभूत सुविधाएं स्थान चयन जनपद के लिए प्रमुख नस्ल ,जैसे बरबरी, जमुनापारी, बीटल, सिरोही के पहचान व कुंड उनके आवास व्यवस्था तथा खान पान एवं रखरखाव , विषय पर जानकारी प्रदान किया द्य बकरियों के लिए हरे चारे का महत्व , इसका उत्पादन एवं वर्षभर हरा चारा उपलब्धता के लिए बहु वर्षीय नेपियर घास दीनानाथ घास, शुबबूल, ग्रामीण स्तर पर बकरियों के लिए दाना का निर्माण आदि विषयों पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई द्य बकरियां में होने वाले प्रमुख रोग उनके रोकथाम एवं बचाव क्रिमिनास एवं टीकाकरण के महत्व व अन्य विषय पर सारगर्भित जानकारी प्रदान किया द्य केंद्र के वैज्ञानिक डॉ विकास रंजन चौधरी , डॉक्टर आर. एन. सिंह , डॉक्टर विनोद कुमार एवं समस्त प्रतिभागियों ने केंद्र पर स्थापित विभिन्न प्रदर्शन इकाइयों नाडेप कंपोस्ट इकाई , वर्मी कंपोस्ट ,औषधि वाटिका , अजोला उत्पादन इकाई , नेपियर हरा चारा इकाई आदि का भ्रमण कर अवलोकन कराया।केंद्र के मौसम वैज्ञानिक नरेंद्र वर्मा ने प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण का पूरा लाभ लेकर बकरी व्यवसाय को और लाभकारी बनाने का आवाहन किया द्य श्री सुखबीर सिंह. श्री भूप सिंह सिंह ,रतन सिंह सर्वेश कुमार , कुमार ,अशोक कुमार , श्रीमती सुमी देवी ,श्रीमती चंद्रकली , रसमी देवी , श्रीमती चंद्र कली देवी के साथ सहित किशनी, करहल,भोगांव , सुल्तानगंज के 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया द्य